

का प्रस्ताव दिया गया है। यह योजना जिस तारीख से लागू होगी उस तारीख को व्यापार-कर विभाग में पंजीकृत व्यापारियों के संबंध में ही लागू होगी। योजना प्रारम्भ होने की तिथि के बाद पंजीकृत व्यापारियों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा, और यदि शासन द्वारा अगले वर्ष इस योजना को चलाने का निर्णय लिया जाता है तब उस योजना में ऐसे बाद में पंजीकृत होने वाले व्यापारियों को शामिल किया जायेगा।

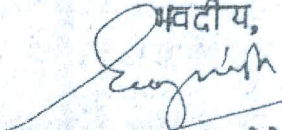
3. विभाग के वार्षिक प्रत्यावेदन के अनुसार वर्ष 1998-99 में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या 3.91 लाख दिखायी गयी है। इस आधार पर इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित होने वाले व्यापारियों की संख्या 3लाख से 3½ लाख अनुमानित की जा सकती है। इस आधार पर दि न्यू इंडिया एश्योरन्स कम्पनी लि० को 4लाख प्रपोजल-फार्म घोषणा-पत्र के साथ उपवाने के आदेश दिये गये हैं। इस प्रपोजल-फार्म की एक छायाप्रति संलग्न करके प्रेषित की जा रही है। इन फार्मों का वितरण सम्भागीय डिप्टी कमिश्नर, कार्यपालक, व्यापार-कर के माध्यम से किया जाना होगा। अतः सम्भाग में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या के आधार पर आप कम्पनी को पर्याप्त संख्या में डिप्टी कमिश्नर, कार्यपालक को सम्भागवार फार्म भेजने का आदेश देने का कट करें, ताकि उसी आधार पर कम्पनी द्वारा सम्भागीय डिप्टी कमिश्नर, कार्यपालक को फार्म प्राप्त करा दिये जायें। आप इस सम्बन्ध में डिप्टी कमिश्नर, कार्यपालक को भी यह निर्देश जारी करने का कट करें कि वह ऐसे पंजीकृत व्यापारियों, जिन्हें इस योजना का लाभ मिलने वाला है, मण्डल/खण्डवार फार्म बटवा दें और सम्बन्धित खण्ड अधिकारी इन फार्मों को व्यापारियों से भरवाकर संग्रहित करते हुये विभाग द्वारा जारी किये जाने वाले प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर कर दे। इसके पश्चात् उन फार्मों को संग्रहित करके डिप्टी कमिश्नर, कार्यपालक द्वारा सूची सहित दि न्यू इंडिया एश्योरन्स कम्पनी लि० अथवा उनके द्वारा अधिकृत जिला स्तरीय कार्यालय को प्राप्त करा दिये जायें। कृपया इस सम्बन्ध में भी विचार करने का कट करें कि कुछ बड़े शहरों में यह फार्म व्यापारियों से प्राप्त करके माननीय मन्त्री जी के समक्ष एश्योरन्स कम्पनी के अधिकारियों को दिये जाने की कार्यवाही की जाय।

उसके बाद
 5. कमिश्नर
 प्रिन्सिपल
 6. फार्म भरवाने
 के लिए
 7. कृपया
 8. कृपया
 9. कृपया
 10. कृपया

706(2)00

4. उक्त बीमा योजना के सम्बन्ध में ₹0 21/- प्रति व्यक्ति की दर से जो धनराशि का भुगतान किया जाना है उसके लिये एक बीमा निधि खनाये जाने की कार्यवाही अलग से चल रही है। इस बीमा निधि में विभाग द्वारा बिक्री किये जाने वाले फार्मों के मूल्य वृद्धि के आधार पर प्राप्त धनराशि को जमा किया जायेगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

H. O. J. Joseph
प्रमुख सचिव।